ना मैं मीरा ना मैं राधा,
फिर भी श्याम को पाना है,
पास मेरे तो कुछ भी नहीं है,
चरणों में शीश झुकना है,
न मैं मीरा न मैं राधा।।

जब से तेरी सूरत देखि,
कुसुम प्रेम की मूरत देखि,
अपना तुझे बनाना है,
न मैं मीरा न मैं राधा,
फिर भी श्याम को पाना है,
न मैं मीरा न मैं राधा।।

जप तप साधन कुछ न जानू,
अपनी लगन को सब कुछ मानु,
दिल का दर्द सुनाना है,
न मैं मीरा न मैं राधा,
फिर भी श्याम को पाना है,
न मैं मीरा न मैं राधा।।

जनम जनम से भूली तुमको,
अब जाकर हूँ जानी तुमको,
अब ना तुम्हे भुलाना है,
न मैं मीरा न मैं राधा,

फिर भी श्याम को पाना है,
न मैं मीरा न मैं राधा।।

दासी तेरी शरण में आई,
लगन मिलन की मन में समाई,
प्रेम की भेट चढ़ाना है,
न मैं मीरा न मैं राधा,
फिर भी श्याम को पाना है,
न मैं मीरा न मैं राधा।।

ना मैं मीरा ना मैं राधा,
फिर भी श्याम को पाना है,
पास मेरे तो कुछ भी नहीं है,
चरणों में शीश झुकना है,
न मैं मीरा न मैं राधा।।

स्वर श्री गौरव कृष्ण गोस्वामी।
प्रेषक हरिओम गलहोत्रा
8427905234

Source: https://www.bharattemples.com/na-main-meera-na-main-radha/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw